

बांधवगढ़ टाइगर रज़िर्व में बाघ की मृत्यु

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के उमरगिया ज़िले में [बांधवगढ़ टाइगर रज़िर्व \(BTR\)](#) में एक युवा [बाघ](#) मृत पाया गया था।

मुख्य बदि:

- 12 महीने से 18 महीने की उमर के उप-वयस्क बाघ का शव BTR के धमोखर रेंज में एक खाई में देखा गया था।
- शव परीक्षण के बाद [राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण \(NTCA\)](#) के दशा-नरिदेशों के अनुसार शवाधान कर दिया गया।
 - 9 जनवरी को, 15 महीने से 18 महीने की उमर के एक युवा बाघ का शव BTR के पतोर रेंज में एक खाई में पाया गया था।
- मध्य प्रदेश ने हालिया जनगणना (2022) में "बाघ राज्य" का दर्जा बरकरार रखा है, राज्य में बड़ी बिल्ली प्रजातियों की संख्या वर्ष 2018 में 526 से बढ़कर 785 हो गई है।
- रपिर्ट 'स्टैटस ऑफ टाइगर्स: को-प्रेडेटर एंड प्रेय इन इंडिया-2022' के अनुसार, जुलाई 2023 में NTCA और [भारतीय वन्यजीव संस्थान](#) द्वारा जारी की गई, मध्य प्रदेश (785) में देश में सबसे अधिक बाघों की संख्या है, इसके बाद कर्नाटक (563) तथा उत्तराखंड (560) का स्थान है।

बांधवगढ़ टाइगर रज़िर्व (BTR)

- यह मध्य प्रदेश के उमरगिया ज़िले में स्थित है और वधिय पहाड़ियों पर फैला हुआ है।
- वर्ष 1968 में, इसे एक राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित किया गया था और वर्ष 1993 में नकिटवर्ती पनपथा अभयारण्य में प्रोजेक्ट टाइगर नेटवर्क के तहत एक बाघ अभयारण्य घोषित किया गया था।
- इसका नाम इस क्षेत्र की सबसे प्रमुख पहाड़ी के नाम पर रखा गया है, जिसके वषिय में कहा जाता है कि इसे हद्वि भगवान राम ने अपने भाई लक्ष्मण को लंका पर नज़र रखने के लिये दिया था। इसलिये इसका नाम बांधवगढ़ पड़ा।
- यह रॉयल बंगाल टाइगर्स के लिये जाना जाता है। बांधवगढ़ में बाघों की जीवसंख्या का घनत्व भारत के साथ-साथ वशिव में सबसे अधिक है।
- पूरा पार्क 20 से अधिक धाराओं से भरा हुआ है, जिनमें से कुछ सबसे महत्त्वपूर्ण धाराएँ हैं जोहला, जनाध, चरणगंगा, दमनार, बनबेई, अम्बानाला और अंधियारी झरिया हैं।
 - ये धाराएँ फरि सोन नदी (गंगा नदी की एक महत्त्वपूर्ण दक्षिणी सहायक नदी) में वलीन हो जाती हैं।
- महत्त्वपूर्ण शिकार प्रजातियों में चीतल, सांभर, भौकने वाले हरिण, नीलगाय, चकिरा, जंगली सुअर, चौसधा, लंगूर और रीसस मकाक शामिल हैं।
- बाघ, [तेंदुआ](#), जंगली कुत्ता, भेड़िया और सयार जैसे प्रमुख शिकारी इन पर नरिभर हैं।

भारतीय वन्यजीव संस्थान

- यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी।
- यह देहरादून, उत्तराखंड में स्थित है।
- यह वन्यजीव अनुसंधान और प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक पाठ्यक्रम तथा सलाह प्रदान करता है।

